Elaborate the diplomacy prevailing in the Kiratarjuniyam.

अथवा / Or

वनेचर की राजनीतिक पटुता को समझाएं।

Explain the political acumen of वनेचर.

3. निम्न में से किसी **एक** सूक्ति की संस्कृत में व्याख्या करें- (9)

Explain any **One** of the following sayings in Sanskrit :

(क) विभूषणं मौनमपण्डितानाम्

(ख) प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता

(ग) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः

4. निम्न में से किसी **तीन** पर टिप्पणी करें - (5×3=15)

Write short notes on any **Three** of the following :

(क) सौन्दरनन्दम्

(ख) चौरपञ्चाशिका

(ग) श्रीहर्ष

(घ) जयदेव

(ङ) संस्कृत काव्य परम्परा में शिशुपालवध का स्थान

(च) रघुवंश का महाकाव्यत्व

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3052 **D**

Unique Paper Code : 2132101102 – DSC2

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Hons.) SANSKRIT**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित पद्यों की सानुवाद व्याख्या लिखिए : (10×3=30)

Translate and explain the following verses.

(क) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः ।
कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेन्
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत् ।।

अथवा / Or

शिरः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं
महीध्रादुत्तुंगादवनिमवनेश्चापि जलधिम् ।
अधोऽधो गंगेयं पदमुपगतास्तोकमथ वा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।।

(ख) यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरुहैर्जटाभिरप्येवमभूत्तदाननम् ।
न षट्पदश्रेणिभिरेव पङ्कजं सशैवलासङ्गमपि प्रकाशते ।।

अथवा / Or

क्लमं ययौ कन्दुकलीलयाऽपि या तया मुनीनां चरितं व्यगाह्यत ।
ध्रुवं वपुः काञ्चनपद्मनिर्मितं मृदु प्रकृत्या च ससारमेव च ।।

(ग) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न संशृणुते स किंप्रभुः ।
सदाऽनुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ।।

अथवा / Or

कथाप्रसंगेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः ।
तवाभिधानाद् व्यथते नताननः स दुःसहान्मन्त्रपदादिवोरगः ।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों का सविस्तर उत्तर दें- (12×3=36)

Write an answer of the following questions in details :

(क) मूर्ख-पद्धति के आधार पर भर्तृहरिकालीन समाज की विविधता पर प्रकाश डालें ।

Highlight the diversity of Society of Bhartrihari-era on the basis of मूर्ख-पद्धति.

अथवा / Or

भर्तृहरि के नीतिशतक में वर्णित विविध प्रकार के मूर्खों का वर्गीकरण करें ।

Classify the different types of fools described in Bhartrihari's नीतिशतक.

(ख) कुमारसम्भवम् के नामकरण के औचित्य को समझाएं ।

Explain the rationale for naming कुमारसम्भवम्.

अथवा / Or

पार्वती की तपस्या के उत्तरोत्तर विकास पर निबन्ध लिखें ।

Write an Essay on the progressive development of Parvati's penance.

(ग) किरातार्जुनीयम् में प्रवर्तित राजनीति को स्पष्ट करें ।